Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पुलिस की अनोखी और चौंकाने वाली तस्वीरे सामने आ रही

लॉकडाउन में पुलिस के प्रति लोगों की सोच बदली

निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। लॉकडाउन के दौरान पुलिस की एक अनोखी और चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। अभी तक पुलिस की छवि जनता में कुछ ओर थी, लेकिन देश जिस दौर से गुजर रहा है वहां पर पुलिस की जो तस्वीरे सामने आ रही हैं उसने जनता में खाकी के प्रति अपनी सोच को ही बदल कर रख दिया है। लॉकडाउन में जहां पुलिस के कंधों पर उसको सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी है वहीं लॉकडाउन में फंसे भूखे–प्यासे यात्रियों, मजदूरों, गरीबों, लावरिस पशुओं सहित जरूरतमंदों के लिए मददगार के रूप में सामने आ रही है। इस विपदा की घड़ी में वास्तव में पुलिस की छवि लोगों में मसीहा के रूप में देखी जा रही है। वहीं पुलिस समाज के दुश्मन व गैर जिम्मेदार लोगों के लिए एक कड़क सिपाही के रूप में पेश भी आ रही है। कहते हैं ना कि तस्वीरें कभी झूठ नहीं बोलती, यह मैं नहीं जनपद

हरिद्वार से आ रही तस्वीरें बोल रही हैं। यहां पर अगर केवल एक थाना पुलिस की बात करेंगे तो बेईमानी होगी, इसलिए हरिद्वार जनपद की पुलिस अपने कर्तव्यों को बखूबी निभा रही है। बताते चले कि देश में कोरोना वायरस का प्रकोप जिस तेजी से बढ़ रहा है उसको रोकने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन की घोषणा की है। जिसको लागू कराने के लिए प्रधानमंत्री जी ने सभी प्रदेश की सरकारों से आग्रह किया है। जिसके बाद देश में विभिन्न प्रदेश की सरकारों ने अपने परिस्थितयों के हिसाब से व्यवस्थाएं लागू की गयी हैं। उत्तराखण्ड में भी लॉकडाउन में प्रदेश की जनता को शुरूआती दौर में लोगों की रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की चीजों के लिए सुबह 7 से 10 बजे तक खरीददारी के लिए छूट दी थी। लेकिन अब यह छूट की सीमा तीन घण्टे से बढ़ाकर 6 घण्टे कर दिया यानि दोपहर 1 बजे तक कर दिया।

लॉकडाउन को सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी पुलिस के कंधों पर है। लेकिन यहां पर पुलिस लॉकडाउन को सख्ती से लागू कराने के साथ–साथ मानवता भरा कार्य भी कर रही है। इस विपदा की घड़ी में पुलिस के कार्यों ने जनता में उसकी प्रति सोच को बदल कर ही रख दिया है। ऐसा नहीं कि केवल उत्तराखण्ड पुलिस ही लॉकडाउन में फंसे लोगों की मददगार साबित होकर भूखे प्यासों को खाना व पानी मुहैया कर रही है। यहां पर मेरा मकसद पुलिस के प्रति जनता की सोच को लेकर है। जो अभी तक लोगों में पुलिस की जो छवि थी, उसको मौजूदा हालतों में पुलिस की कार्यशैली ने बदल कर ही रख दिया है।

लॉकडाउन के दौरान जनपद हरिद्वार की पुलिस अपने–अपने दायित्वों को बड़ी ईमानदारी के साथ निर्वाह कर रही है। जहां वह लॉकडाउन को सख्ती से लागू करते हुए बेवजह सड़कों पर घूमने वाले या फिर वाहनों को दौड़ने वालों के साथ सख्ती दिखा रही है। वहीं लॉकडाउन में फंसे जरूरतमंदों की मदद से भी पीछे नहीं हैं।

न्यूज डायरी

लॉकडाउन का उल्लंघन कर घूमते आधा दर्जन गिरफ्तार

संवाददाता हरिद्वार। लॉकडाउन के दौरान बेवजह सड़क पर घूमते हुए आधा दर्जन युवकों को पुलिस ने दबोचा है। जिनके खिलाफ पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली नगर पुलिस ने गश्त के दौरान दोपहर को लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए सड़क पर बेवजह घूमते आधा दर्जन युवकों रोहित पुत्र महेन्द्र सिंह सैनी निवासी कोरा देवी हरिद्वार, पिंटू पुत्र संतन सिंह निवासी नई बस्ती खड़खड़ी हरिद्वार, शुभम पुत्र मुकेश निवासी इन्द्रिरा विकास कॉलोनी हरिद्वार, सुनील शर्मा पुत्र महेश शर्मा निवासी मुखिया गली हरिद्वार, मनोज कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी निवासी कोरा देवी बस्ती खड़खड़ी हरिद्वार और विवेक शर्मा पुत्र मोहन लाल निवासी गुस्साई गली भीमगोड़ा हरिद्वार को गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कोश्यारी के अनुसार बेवजह सड़क पर घूमते आधा दर्जन युवकों को गिरफ्तार किया है।

कालाबाजारी करने वाला व्यापार मण्डल का सदस्य नहीं बन पायेगाः चौधरी

संवाददाता हरिद्वार। प्रदेश व्यापार मण्डल के प्रदेश अधयक्ष संजीव चौधरी ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जो व्यापारी संकट के इस समय में कालाबाजारी करता हुआ पाया गया, वो कभी भी व्यापार मण्डल का सदस्य नहीं बन पाएगा। व्यापार मण्डल उसकी किसी भी प्रकार से मदद नही करेगा। चौधरी ने व्यापारियों से अपील की है कि इस समय हमको सब से बड़े धर्म मानवता के धर्म को निभाना है और एक मिसाल कायम करनी है। व्यापारी देश पर संकट के समय में एक देशभक्त व्यापारी की भूमिका मे रहता है। कहा कि कई जगह से लोग फोन पर उनको कालाबाजारी की शिकायत कर रहे हैं, ऐसा करने वाले कम ही होते हैं पर बदनाम पूरा व्यापारी समाज होता है।

डॉ. पण्डया ने दिये मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये

संवाददाता हरिद्वार। पूरा विश्व जब कोरोना वायरस से ग्रसित है, तब पीड़ित मानवता के लिए सहयोग में सदैव तत्पर रहने वाली संस्था अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज द्वारा वेदमाता गायत्री ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड रुपये का बड़ा योगदान दिया गया है। गायत्री परिवार प्रमुख डॉ. प्रणव पण्डया ने मुख्यमंत्री के विशेष प्रतिनिधि शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक को कोरोना वायरस से निपटने हुए यह राशि भेंट की। गायत्री परिवार प्रमुख डॉ. पण्डया ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यश्री ने कहा है कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्चा धर्म है।

कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के लिए दून और हरिद्वार में सेटेलाइट केंद्र किए स्थापित

संवाददाता देहरादून। कोरोना संक्रमण एक दूसरे के संपर्क में आने पर तेजी से फैलता है। ऐसे में इस लड़ाई में केवल रक्षात्मक भूमिका ही काफी नहीं है। सोशल–डिस्टेंसिंग जैसे उपायों के अलावा मामलों की पहचान करना और कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग यानी संपर्कों का पता लगाना भी एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के लिए एक अहम कदम उठाया है। दून व हरिद्वार में दो सेटेलाइट कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। यह कंट्रोल रूम ऐसे लोगों को ट्रेस करने का काम करेंगे जो कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में किसी न किसी तरह आए होंगे। यह दोनों कंट्रोल रूम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यालय में स्थापित मुख्य कंट्रोल रूम से जुड़े रहेंगे। कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के लिए विभिन्न स्रोत से प्राप्त जानकारी को संकलित कर मूल सूची बनाने का काम मुख्य कंट्रोल रूम ही करेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक युगल किशोर पंत ने बताया कि आइएएस चंद्रेश कुमार के साथ चर्चा के बाद इस व्यवस्था को शुरू किया गया है।

अनावश्यक दौड़ते वाहनों पर कार्रवाई

संवाददाता देहरादून। लॉकडाउन के दौरान जहां एसपी सिटी श्वैता चौबे ने जरूरतमंदों को खाद्य सामाग्री बांटी और कहा कि उनका लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और राजधानी के अनेक क्षेत्रों पुलिस कर्मचारियों द्वारा गरीब लोगों, मलिन बस्तियों व जरूरतमंदों को खाद्य सामाग्री प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि चौपहिया वाहन प्रतिबंधित होने के कारण भी लोग बीमार व्यक्तियों को लाने व ले जाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं इसके बावजूद भी पुलिस कर्मचारी वाहन चालकों को चौपहिया वाहन न लाने व टू व्हीलर में केवल एक ही सवारी ड्राईव करने वाला ही आयें के लिए जागरूक कर रहे हैं। पुलिस अनावश्यक दौड़ते वाहनों पर कार्रवाई करते हुए गाड़ी सीज जैसे कदम उठा रही है।

अखबार से कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका निराधार

संवाददाता

देहरादून। अखबार से कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका निराधार व पूरी तरह गलत है। समाचार पत्रों व अन्य कागजों से कोरोना फैलने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। विशेषज्ञ भी इसकी लगातार पुष्टि कर रहे हैं।

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (यूसर्क) के निदेशक डॉ. दुर्गेश पंत ने कहा कि अखबार से कोरोना वायरस का संक्रमण फैलता है, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। यहां तक कि किसी भी वस्तु से कोरोना वायरस पैदा नहीं होता, बल्कि यह ऐसा संक्रमण है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को लेकर केंद्र की मोदी

■पूरी तरह सेनिटाइज होकर ही बाजार में आता है अखबार

सरकार ने देशभर में जो संपूर्ण लॉकडाउन का कदम उठाया है वह सबसे बड़ा लाभकारी कदम हैं। या यूं कहें कि कोरोना के खिलाफ यदि जंग जीतनी है तो लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा।

कोरोना वायरस जैसी महामारी से देश ही नहीं, पूरा विश्व इसकी चपेट में है। उन्होंने कहा कि सभी पाठकों को यह जानना जरूरी है कि समाचार पत्रों को छापते समय जिस स्याही का प्रयोग होता है, उसमें पहले से ही एक एंटीबायोटिक पदार्थ टॉक्सिसिटी मिश्रित होता है। इस प्रकार के मिश्रण में कोरोना जैसे किसी भी वायरस की जिंदा होने की संभावना नहीं के बराबर है। जिस प्रकार आजकल हर व्यक्ति सेनिटाइजर का प्रयोग हाथों में कर रहा है ठीक उसी प्रकार अखबार छापते समय वह पूरी तरह सेनिटाइज होकर ही बाजार में आता है।

सोशल मीडिया पर कुछ इस तरह के मैसेज वायरल हो रहे हैं, जिनमें अखबारों से संक्रमण फैलने की आशंका जताई गई थी वह निराधार और भ्रामक है। पाठकों को पहले की ही तरह अपने अखबार का नियमित पढ़ाना जारी रखना चाहिए, ताकि उन्हें सरकार व शासन की ओर से कोरोना संक्रमण को लेकर किए जा रहे तमाम एहतियात के बार में संपूर्ण जानकारी मिल सके।

कोरोना का नहीं डर, फिर भी सांसत में है बेजुबानों की जान

संवाददाता देहरादून। जंगल में रहने वाले बेजुबानों को कोरोना वायरस से भले ही कोई खतरा न हो, लेकिन इन दिनों वे भी सहमे–सहमे से हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि बेजुबानों की जान जो सांसत में है। जैवविविधता और वन्यजीव विविधता के लिए मशहूर उत्तराखंड के संरक्षित–आरक्षित क्षेत्रों का हाल कुछ ऐसा ही है।असल में, समूचा तंत्र कोरोना रूपी महामारी से पार पाने में जुटा है।

ऐसे में शिकारियों और तस्करों ने मौके का फायदा उठाते हुए जंगल की तरफ रुख कर लिया तो..। वैसे भी यहां के वन्यजीव पहले ही तस्करों–शिकारियों के निशाने पर हैं। सूरतेहाल, बेजुबानों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। हालांकि, वन महकमे ने इसके दृष्टिगत कार्बेट–राजाजी टाइगर रिजर्व समेत सभी संरक्षित–आरक्षित क्षेत्र के जंगलों में विशेष चौकसी के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन माथों से चिंता की लकीरें दूर होने का नाम नहीं ले रहीं। आखिर, सवाल बेजुबानों की जान बचाने का जो है।